केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १६ जुलाई, २०२३ समय : सुबह ९.०० से १२.००

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

कुल गुण : १००

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (४)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (५)	
	११ (८)	
	१२ (८)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. ''आत्मानन्द स्वामी में उपासना ज्ञान की कमी दूर हुई।''

२. ''मेरी आज्ञा की अवज्ञा कर तुम यहाँ क्यों आए?''

३. ''श्वेत क्या काले वस्त्र पहनकर भी मैं स्वामी को अक्षर कहूँगा।''

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. प्रकट को जाने बिना कसर : वचनामृत और स्वामी की बातों के अनुसार
२. भगवान निराकार है इस विचार का उद्‌भव कैसे हुआ?
३. प्रकट का अर्थ क्या है? किस रीति से प्रकट हैं?

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ [ ]

( ) ....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम	प्र - ३ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)

१. ''जहाँ उन पुरुषोत्तम की मूर्ति है, वहीं अक्षरधाम का मध्यभाग रहता है।'' गुण : १

....

२. ''जब ब्रह्मांडों का प्रलय होता है, तब ये एकमात्र प्रकट भगवान ही रहते हैं।'' गुण : १

....

३. ''इन सबका कारण अक्षर ब्रह्म है तथा अक्षर तो पुरुषोत्तम भगवान का धाम है।'' गुण : १

....

४. ''ये संत समस्त जगत के आधार-रूप हैं।'' गुण : १

....

५. ''वळी संतने आपी आगन्या रे, रे'वुं नहि आहीं आव्या विना रे;'' गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. 'गुणातीतानंद स्वामी अक्षर हैं' : अन्य प्रमाण | गुण : २ |

(१) ☐ धाम के धामी आज वन-विचरण के लिए जा रहे हैं।

(२) ☐ गुणातीतानंद स्वामी के नाम के पहले अनादि मूल अक्षर जुड़ा है।

(३) ☐ 'अक्षर देरी' के नाम से विख्यात है।

(४) ☐ सोरठ के हरिमंदिरों में स्वामी के नाम के पहले 'अनादि मुक्त' जुड़ा है।

२. श्रीजीमहाराज के शब्दों में गुणातीतानंद स्वामी अक्षर है | गुण : २ |

(१) ☐ हमारा रहने का साक्षात् अक्षरधाम है।

(२) ☐ बड़े-बड़े सत्पुरुषों के लिए समागम करने योग्य हैं।

(३) ☐ ये साधु हमारा सर्वस्व हैं, इन्हें हम आपको अर्पण कर रहे हैं।

(४) ☐ व्यक्तिगत स्वार्थ को सिद्ध करने के लिए मुझे घटनाओं को तोड़ना नहीं आता।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ किन्हीं <u>दो</u> विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. भगवान का प्रकट स्वरूप एवं सेवक

२. नित्यानंद स्वामी, ब्रह्मानंद स्वामी और भाई आत्मानंद स्वामी के शब्दों में स्वामी का असाधारण महिमा

३. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. स्वरूपानंद स्वामी ने श्रीजीमहाराज के प्रकट स्वरूप में अधिक लगनी लगाइ।

२. अक्षरधाम के अतिरिक्त अन्य धाम नाशवान हैं।

३. भगवान की समस्त लीलाओं को कल्याणकारी ही समझना चाहिए यही भक्त का धर्म है।

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ६ गुण – ८		नाम

( )

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही .....

..... निर्गुण कर देते हैं। गुण : १

२. पुरुषोत्तम .....

..... अद्वितीय हैं। गुण : १

३. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में .....

..... निर्गुण कर देते हैं। गुण : १

४. पुरुषोत्तम की .....

..... भिन्न भिन्न हैं। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. मुक्तों की आत्मा .....

..... प्राप्त नहीं करती, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. पुरुषोत्तम नारायण .....

..... भक्तों के समान हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. श्रीजीमहाराज के जूते .....

..... अक्षरब्रह्म हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए। - 'सद्. गुणातीतानंद स्वामी अक्षर हैं' : गोपालानंद स्वामी के शब्दों में **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम	प्र - १० गुण - ५		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''महाराज की इच्छा से जो कुछ होना है, होने दीजिए इसी में मेरा भला है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''यह कथा जितने दिन चलेगी, गुणातीतानंद स्वामी ही बातें करेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''आवाज़ मत करो, दूसरे लोग सोये हुए हैं, वे जाग जाएंगे!''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. 'सत्संग की माँ' के समान कौन थे? गुण : १

.....

२. कुशलकुंवरबा ने संतों के लिए महाराज को कौन-सी प्रार्थना की? गुण : १

.....

३. खेत में हल जोतते समय पर्वतभाई के मन में क्या संकल्प हुआ? गुण : १

.....

४. श्रीचिन्ना जियर स्वामी को प्रमुखस्वामीजी में किसका दर्शन होता है? गुण : १

.....

५. भगवान कृष्ण श्रीमद्‌भागवत में संत के लिए क्या कहते हैं? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. लालजी भक्त ने महाराज के साथ कच्छ में जाते वक़्त क्या साथ में रखा ? | गुण : २ |

(१) ☐ भोजन

(२) ☐ कपड़े

(३) ☐ दवाइयाँ

(४) ☐ पैसे

२. मेंगणी गाँव के ठाकुर का नाम | गुण : २ |

(१) ☐ सुरा खाचर

(२) ☐ जीवा खाचर

(३) ☐ दादा खाचर

(४) ☐ मानसिंहजी

३. प्रमुखस्वामी महाराज का ५१वां जन्मदिन | गुण : २ |

(१) ☐ आणंद

(२) ☐ नीम का दातुन

(३) ☐ दातुनों को उठाकर कचरा पेटी में डालने लगे

(४) ☐ महाराष्ट्र

४. वैश्विक शांति किस प्रकार संभव है ? | गुण : २ |

(१) ☐ जीवन में धर्म का अनुशासन स्वीकारने से

(२) ☐ माता-पिता को प्रणाम करके

(३) ☐ प्रतिदिन एक दंडवत् अधिक करके

(४) ☐ आपस में सहिष्णुता अपनाने से

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ८		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. गुणातीतानंद स्वामी ने शिवलाल सेठ से कहा : ''तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है।'' **अथवा**

२. कुशलकुंवरबा ने अपनी बैठक में महाराज के चरणारविंद रखें।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

३. स्वामीश्री कईबार रात में प्रार्थना करते थे। **अथवा**

४. रढु के रतनसिंह का असाध्य चर्मरोग दूर हो गया।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. सत्संगी के सत्संगी पर्वतभाई **अथवा**

२. मुक्तानंद स्वामी को क्रमश: महाराज की विशेष महिमा समझ में आई

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. निर्विकल्प समाधि के अनुभवी : प्रमुखस्वामी **अथवा**

४. सत्पुरुष के लिए भाषा के कोई बंधन नहीं होते!

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. ब्रह्मस्वरूप प्रमुखस्वामी महाराज जन्मजयंती महोत्सव : मुंबई
२. वचनामृत चिंतन : अज्ञानी में अतिशय अज्ञानी
३. नवसारी मंदिर मूर्तिप्रतिष्ठा

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – १४ गुण – १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें